दो एक्सप्रेसवे को जोड़ने का रास्ता साफ हुआ

अच्छी खबर

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के जगनपुर-अफजलपुर के पास यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (केजीपी) को जोड़ने का रास्ता साफ हो गया है। शासन ने यहां प्रस्तावित इंटरचेंज के निर्माण की अनुमति दे दी है। वहीं, अनुमति के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने भी निर्माण की तैयारी शुरू कर दी। हालांकि इसके निर्माण में एक वर्ष का समय लगने का अनुमान है।

प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (केजीपी) को यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए इंटरचेंज को बनाने का काम वर्ष 2023 में शुरू हुआ था। प्राधिकरण ने निजी कंट्रेक्टर को इसे बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। प्रदेश के तत्कालीन मुख्य सचिव ने इसका शिलान्यास किया था। इसके निर्माण में 122 करोड़ रुपये खर्च होने थे। दावा किया जा रहा था कि एयरपोर्ट शुरू होने से पहले इसे तैयार कर दिया जाएगा, लेकिन थोड़े दिनों बाद ही विकासकर्ता कंपनी ने इसके निर्माण में लगने वाली मिट्टी पर खर्च होने वाले 22 करोड़ रुपये का एस्टीमेट डाल दिया और काम रुक गया। 22 करोड़ का पेंच फंसने के चलते कई महीने तक निर्माण नहीं हो सका, बाद में प्राधिकरण ने एनएचएआई के अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हीं से इंटरचेंज बनाने के लिए सहमति बनाई, लेकिन इसके लिए शासन की अनुमति की आवश्यकता थी। कई महीनों से अनुमति का इंतजार जारी था, लेकिन अब शासन ने इसके लिए अनुमति दे दी हैं, जिससे इसके निर्माण का रास्ता खुल गया है।

वर्ष 2019 में सबसे पहले इस इंटरचेंज को बनाने का काम शुरू हुआ था, लेकिन किसानों के विवाद के चलते कंपनी काम नहीं कर पाई। करीब चार साल का समय किसानों के साथ विवाद ना सुलझने की वजह से बर्बाद हो गया, जोकि वर्ष 2023 में सुलझ गया था।

इंटरचेंज पर आठ लूप बनाए जाने की तैयारी

दोनों ही एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए इंटरचेंज पर आठ लूप बनाने हैं, जोकि कुल 6.6 किलोमीटर के होंगे। इनमें चार लूप वाहनों के उतरने व चार लूप वाहनों के चढ़ने के लिए बनाए जाएंगे। इससे एक्सप्रेसवे पर सफर करने वाले लोगों को इंटरचेंज से उतरने व चढ़ने के लिए जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा।